

---

# Ribhuproktam Ekatvanirupanam

---

## ऋभुप्रोक्तं एकत्वनिरूपणम्

---

### Document Information

---

Text title : Ribhuproktam Ekatvanirupanam

File name : RRibhuproktamEkatvanirUpaNam.itx

Category : shiva, shivarahasya

Location : doc\_shiva

Proofread by : Ruma Dewan

Description/comments : shrIshivarahasyam | shaNkarAkhyah ShaShThAMshaH | adhyAyaH 27| 21-28||

Latest update : August 5, 2023

Send corrections to : sanskrit@cheerful.com

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

August 5, 2023

*sanskritdocuments.org*

---

ऋभुप्रोक्तं एकत्वनिरूपणम्



(एक एवाहमेकवान्)

एक एव महानन्द एक एवाहमक्षरः ।

एक एवाक्षरं ब्रह्म एक एवाक्षरोऽक्षरः ॥ २७.२१ ॥

एक एव महानात्मा एक एव मनोहरः ।

एक एवाद्वयोऽहं वै एक एव न चापरः ॥ २७.२२ ॥

एक एव न भूरादि एक एव न बुद्धयः ।

एक एव प्रशान्तोऽहं एक एव सुखात्मकः ॥ २७.२३ ॥

एक एव न कामात्मा एक एव न कोपकम् ।

एक एव न लोभात्मा एक एव न मोहकः ॥ २७.२४ ॥

एक एव मदो नाहं एक एव न मे रसः ।

एक एव न चित्तात्मा एक एव न चान्यकः ॥ २७.२५ ॥

एक एव न सत्तात्मा एक एव जरामरः ।

एक एव हि पूर्णात्मा एक एव हि निश्चलः ॥ २७.२६ ॥

एक एव महानन्द एक एवाहमेकवान् ।

देहोऽहमिति हीनोऽहं शान्तोऽहमिति शाश्वतः ॥ २७.२७ ॥

शिवोऽहमिति शान्तोऽहं आत्मैवाहमिति क्रमः (आत्मैवाहमित्यक्रियः)।

जीवोऽहमिति शान्तोऽहं नित्यशुद्धहृदन्तरः ॥ २७.२८ ॥

॥ इति शिवरहस्यान्तर्गते ऋभुप्रोक्तं एकत्वनिरूपणं सम्पूर्णम् ॥

- ॥ श्रीशिवरहस्यम् । शङ्कराख्यः षष्ठांशः । अध्यायः २७। २१-२८ ॥


Notes :


Shiva Rahasyam Amsa-06 consists of the 50 Adhyaya-s that comprise the Ribhu Gita.

Selected verses from Ribhu Gita have been compiled here based on similarity of content.

Proofread by Ruma Dewan

---

——  
*Ribhuproktam Ekatvanirupanam*  
pdf was typeset on August 5, 2023

——  
Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

